पटना में सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बिहार सरकार ने** पटना में एक सुपर-स्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के निर्माण और संचालन की सुविधा के लिये **शंकर आई फाउंडेशन इंडिया, कोयंबटूर** के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **भूमि आवंटन अनुमोदन:**
  - बिहार मंत्रिमंडल ने शंकर आई फाउंडेशन इंडिया को एक रुपए की मामूली लागत पर सशर्त पट्टे पर पटना के **कंकड़बाग में 1.60 एकड़ जमीन के आवंटन को मंज़ूरी दी।**
  - इस भूमि का उपयोग सुपर-स्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के निर्माण के लिये किया जाएगा।
- **अस्पताल का विवरण और लाभ:**
  - शंकर आई फाउंडेशन इंडिया, जो **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेत्र उपचार** के लिये प्रशंसा प्राप्त कर चुका है, इस अस्पताल का निर्माण और संचालन अपने व्यय पर करेगा।
  - सामान्य नेत्र देखभाल के साथ-साथ **कॉर्नियाप्लास्टी, रेटिनल डिटैचमेंट सर्जरी और नेत्र कैंसर उपचार** जैसे उन्नत उपचार भी उपलब्ध कराए जाएँगे।
- **निःशुल्क उपचार प्रावधान:**
  - **75% रोगियों को मुफ्त उपचार मिलेगा,** जबकि शेष **25% को सेवाओं के लिये भुगतान करना होगा।**
  - **2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवार मुफ्त इलाज** के लिये पात्र होंगे।
- **स्वास्थ्य अवसंरचना पर विपरीत रिपोर्ट:**
- **बिहार स्वास्थ्य अवसंरचना पर CAG लेखापरीक्षा निष्कर्ष:**
  - **शीतकालीन सत्र के दौरान प्रस्तुत सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना (2016-2022) पर** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) **की** रिपोर्ट में राज्य के प्रदर्शन की आलोचना की गई।
  - वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक आवंटित 69,790.83 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य बजट में से केवल 48,047.79 करोड़ रुपए (69%) व्यय किये गए, जबकि 21,743.04 करोड़ रुपए (31%) अप्रयुक्त रह गए।
- **कम स्वास्थ्य व्यय:**
  - सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के प्रतिशत के रूप में बिहार का स्वास्थ्य देखभाल व्यय 1.33% से 1.73% के बीच था तथा राज्य बजट के मुकाबले यह 3.31% से 4.41% के बीच था।
- **संसाधनों की कमी:**
  - रिपोर्ट में औषधियों, चिकित्सा उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कमी का उल्लेख किया गया है, साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे में महत्त्वपूर्ण कमियों की ओर संकेत किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/super-speciality-eye-hospital-in-patna